

खण्ड-5

उपस्कर एवं सामग्री प्रबन्धन Equipment And Materials Management

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067



दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबन्धन में स्नातकोत्तर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम

	पृष्ठ संख्या
खण्ड - 5	1
उपस्कर एवं सामग्री प्रबंधन	
यूनिट - 1	3
सामग्री प्रबंधन और स्टॉक नियंत्रण के तत्व	
यूनिट - 2	45
उपस्कर की अधिप्राप्ति	
यूनिट - 3	60
उपस्कर का अनुरक्षण और रद्दीकरण	
अगस्त 2002	

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, 2002

सर्वाधिकार सुरक्षित। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली मुनीरका से लिखित अनुमति के बिना अनुलिपि या किसी अन्य माध्यम द्वारा इस कृति का कोई भी भाग किसी भी रूप में उद्धृत न किया जाए।

रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित।

पाठ्यक्रम की मुख्य टीम

पाठ्यक्रम निदेशक
पाठ्यक्रम समन्वयक

प्रो. एम.सी.कपिलाश्रमी
डा. जे.के.दास

यूनिट लेखक

डा. ए.के.अग्रवाल

निदेशक, स्कूल ऑफ हैल्थ साइंसेज,
इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी,
नई दिल्ली

डा. ए.पी.चौधरी

महाराजा अग्रसेन अस्पताल, नई दिल्ली

सम्पादकीय मण्डल

प्रो. एम.सी.कपिलाश्रमी

निदेशक, रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली

डा. जे.के.दास

चिकित्सकीय देखरेख एवं अस्पताल प्रशा. विभाग
रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली

कर्मल (डा.) आर.एन.बसु

सीईओ एवं चिकित्सा निदेशक,
हाई मेडिकेयर एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना

डा. पी.सत्यनारायण

भूतपूर्व संकाय, एनआईएमएस, हैदराबाद

आभार

पाठ्यक्रम की मुख्य टीम प्रारंभिक चरण में इस परियोजना को कार्यान्वित एवं विकसित करने के लिए हर प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली के दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र कार्यालय से प्राप्त सहायता के लिए कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है।

टीम इन संशोधित मॉड्यूलों को विकसित करने में चिकित्सकीय देखरेख एवं अस्पताल प्रशासन विभाग, रास्वापक संस्थान के अंशकालिक संकाय डा. आनंद ए.टी की सतत् सहायता, सहयोग और तकनीकी सहायता के लिए भी आभार व्यक्त करती है।

इस दस्तावेज के सम्पादन एवं शब्द संसाधन में डीएचए पाठ्यक्रम के हमारे स्नातकोत्तर छात्रों डा. विनीत गोयल और डा. अनामिका खन्ना ने सराहनीय कार्य किया है।

प्रस्तावना

प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा दृष्टिकोण के माध्यम से 'सभी के लिए स्वास्थ्य' काफी लम्बे समय से हमारा उद्देश्य रहा है। स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने की प्रणाली में अस्पताल महत्वपूर्ण सम्पर्क हैं। यद्यपि, चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने की प्रणाली में दल के नेता और अस्पताल के प्रबंधक हैं, तथापि इन क्षेत्रों में वे प्रशिक्षित नहीं होते हैं। चिकित्सा पाठ्यक्रम चाहे वह स्नातक हो या स्नातकोत्तर का, प्रबंधकीय कौशल और नेतृत्व के गुणों में कोई प्रशिक्षण प्रदान नहीं करता है। इसके परिणामस्वरूप, सामान्यतया चिकित्सक चूक द्वारा प्रबंधकीय कौशल अर्जित करते हैं यह भी सामान्य अनुभव की बात है कि उन्हें इन मुद्दों पर परामर्श के लिए अनिवार्यतः अपने अधीनस्थ और सचिवालयीलिपिकीय स्टाफ पर आश्रित होना पड़ता है। अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम (दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से) चिकित्सा मातृत्व के ज्ञान में इस अन्तराल को पूरा करने का एक प्रयास है।

उपर्युक्त को देखते हुए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने, प्रारंभ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की वित्तीय सहायता से, अस्पताल प्रशासन में लगे/रुचि रखने वाले अधिकांश चिकित्सा कार्मिकों को सहज अभिगम और सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम विकसित किया है। एक राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा अस्पताल प्रशासन में प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान करने के बाद, इस प्रयोजन के लिए गठित एक विशेषज्ञ मण्डल द्वारा कार्यक्रम और प्रशिक्षण सामग्रियां/सहायक सामग्रियां विकसित की गईं। पठनीयता, प्रासंगिकता, सुस्पष्टता और जीवन की परिस्थितियों में व्यावहारिकता का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षण सामग्रियों का पूर्व-परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ कोर मण्डल द्वारा प्रशिक्षण सामग्रियों को अंतिम रूप प्रदान किया गया और उन्हें प्रयोक्ताओं के अधिक अनुकूल बनाने का प्रयास किया गया। तदनन्तर, वर्ष 2002 में विशेषज्ञों द्वारा मैनुअलों के रूप में शिक्षण सामग्रियों में व्यापक संशोधन किया गया है।

मुझे आशा है कि प्रयोक्ताओं के अनुकूल यह यूनिट यह पाठ्यक्रम करने वाले हमारे चिकित्सकों में प्रबंधकीय क्षमताओं का विकास करने के लिए उपयोगी होगी।

(एम.सी.कपिलाश्रमी)

निदेशक

रास्वापक संस्थान

नई दिल्ली

अगस्त, 2002